# एक माह की हिरासत के बाद भी अडिग: सियांग बांध विरोध क्यों थम नहीं रहा?

प्रकाशित: 13 नवंबर 2026 · pcsmantra.com




*मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com*

## खबरों में क्यों

अरुणाचल प्रदेश में **अपर सियांग बहुउद्देश्यीय परियोजना** (Upper Siang Multipurpose Project) के विरोध में चल रहे आंदोलन के कार्यकर्ता **अदुम तायोंग** समेत चार कार्यकर्ता लगभग एक माह की हिरासत के बाद **7 नवंबर 2026** को रिहा हुए। रिहाई के बाद तायोंग ने कहा है कि परियोजना के विरुद्ध आंदोलन जारी रहेगा — यही संकल्प **13 नवंबर 2026** को फिर चर्चा में है। जिला प्रशासन का कहना है कि आगजनी और घरों को निशाना बनाने की घटनाओं के बाद हिरासत आवश्यक हो गई थी। सरकार ने आंदोलनकारी मंच को वार्ता का निमंत्रण भी दिया है।

## परियोजना क्या है

**अपर सियांग बहुउद्देश्यीय परियोजना** अरुणाचल प्रदेश में **सियांग नदी** पर प्रस्तावित लगभग **11,200 मेगावाट** क्षमता की बहुउद्देश्यीय परियोजना है। **सियांग** ब्रह्मपुत्र नदी की मुख्य धारा का अरुणाचल प्रदेश में नाम है — तिब्बत में यह **त्सांगपो** कहलाती है, अरुणाचल में सियांग और असम में आकर **ब्रह्मपुत्र** के नाम से जानी जाती है। 'बहुउद्देश्यीय' का अर्थ है कि बांध से सिर्फ बिजली नहीं, बल्कि बाढ़-नियंत्रण और जल-भंडारण जैसे उद्देश्य भी जुड़े हैं।

परियोजना को **रणनीतिक दृष्टि** से भी देखा जाता है: चीन ने ब्रह्मपुत्र के ऊपरी क्षेत्र **मेडॉग** (Medog) में बड़े बांध बनाने की घोषणा की है, और अपर सियांग परियोजना को उसका प्रतिवाद (काउंटर) के रूप में भी प्रस्तुत किया जाता है — निचले क्षेत्र में जल-भंडारण क्षमता होने से ऊपरी क्षेत्र के कदमों का असर घटाने की सुविधा मिलती है। सियांग-सियोम क्षेत्र की जलविद्युत परियोजनाओं का अंतर और विवाद पढ़ें: [सियांग और सियोम: जलविद्युत की अलग परियोजनाएँ]

## विरोध की वजहें

- **विस्थापन:** बांध के जलाशय में डूबने वाले क्षेत्र के गाँव उजड़ेंगे; स्थानीय आदिवासी समुदायों की भूमि, खेती और बस्तियाँ प्रभावित होंगी।
- **जलमग्नता:** नदी-घाटी के बड़े हिस्से के जलमग्न होने से वन और जीव-जंतु पर असर पड़ेगा।
- **आजीविका और पहचान:** समुदायों की आजीविका नदी और भूमि से जुड़ी है; पुनर्वास की भरोसेमंद व्यवस्था न बने तो सामाजिक-आर्थिक ढाँचा टूटने का डर है।

इसी क्षेत्र की अन्य परियोजनाओं में भी निचली नदी-क्षेत्र के समुदाय अपनी माँगें उठाते रहे हैं — पढ़ें: **दिबांग परियोजना: निचली नदी-क्षेत्र के समुदाय, माँगें**

## हिरासत, रिहाई और आंदोलन की स्थिति

जिला प्रशासन के अनुसार आंदोलन के दौरान आगजनी और कुछ घरों को निशाना बनाने की घटनाएँ हुईं, जिनके बाद हिरासत आवश्यक मानी गई — यह प्रशासन का पक्ष है। तायोंग समेत चार कार्यकर्ता **7 नवंबर** को रिहा हुए और उन्होंने आंदोलन जारी रखने का संकल्प दोहराया है। सरकार ने मंच को **वार्ता का निमंत्रण** दिया है, यानी अभी टकराव और संवाद दोनों दरवाजे खुले हैं।

## आगे की राह

- **स्वीकृत वार्ता:** सरकार के वार्ता-निमंत्रण को मंच और प्रशासन दोनों सार्थक बनाएँ — आंदोलन की मूल चिंताएँ विस्थापन, जलमग्नता और पुनर्वास पर खुली चर्चा हो।
- **पारदर्शी अध्ययन:** पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन सार्वजनिक हो और स्थानीय सुनवाई में समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित हो।
- **विश्वसनीय पुनर्वास:** पुनर्वास-पुनर्वास पैकेज पहले तय और क्रियान्वित हो, तभी परियोजना पर सामाजिक सहमति संभव है।
- **रणनीतिक आवश्यकता का संतुलन:** मेडॉग जैसी ऊपरी-क्षेत्र चुनौतियों का उत्तर सिर्फ बांध नहीं, जल-साझेदारी और निगरानी तंत्र भी हैं।

## परीक्षा के लिए महत्त्व

यह मुद्दा पर्यावरण, जल-राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के संगम पर है। प्रिलिम्स में सियांग-ब्रह्मपुत्र का भूगोल, परियोजना की क्षमता और मेडॉग का संदर्भ पूछा जा सकता है; मुख्य परीक्षा में 'विकास बनाम विस्थापन' और ब्रह्मपुत्र जल-राजनीति पर प्रश्न संभव है।

## प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

**प्रश्न 1: निम्नलिखित दो कथनों पर विचार कीजिए:**

**कथन-I:** अपर सियांग बहुउद्देश्यीय परियोजना सियांग नदी पर प्रस्तावित लगभग 11,200 मेगावाट क्षमता की परियोजना है

**कथन-II:** सियांग ब्रह्मपुत्र नदी की मुख्य धारा का अरुणाचल प्रदेश में नाम है

**नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:**

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं

(b) कथन-I सही है, कथन-II गलत है

(c) कथन-I गलत है, कथन-II सही है

(d) कथन-I और कथन-II दोनों गलत हैं

> **उत्तर और व्याख्या**
>
> **उत्तर: (a)**
>
> कथन-I सही है: परियोजना की प्रस्तावित क्षमता लगभग 11,200 मेगावाट है।
>
> कथन-II सही है: ब्रह्मपुत्र तिब्बत में त्सांगपो, अरुणाचल में सियांग और असम में ब्रह्मपुत्र कहलाती है।

**प्रश्न 2: मेडॉग (Medog), जिसके बांधों के प्रतिवाद के रूप में अपर सियांग परियोजना प्रस्तावित है, किस देश के क्षेत्र में है?**

(a) भूटान

(b) म्यांमार

(c) चीन

(d) बांग्लादेश

> **उत्तर और व्याख्या**
>
> **उत्तर: (c)**
>
> मेडॉग तिब्बत (चीन) में ब्रह्मपुत्र के ऊपरी क्षेत्र में है, जहाँ चीन ने बड़े बांध बनाने की घोषणा की है।

**प्रश्न 3: अदुम तायोंग, जो हाल में लगभग एक माह की हिरासत के बाद रिहा हुए, किस आंदोलन से जुड़े कार्यकर्ता हैं?**

(a) अपर सियांग बहुउद्देश्यीय परियोजना विरोध

(b) सुबनसिरी जलविद्युत परियोजना विरोध

(c) दिहांग-पाटकाई आरक्षित क्षेत्र विरोध

(d) नामदफा टाइगर रिजर्व विस्तार विरोध

> **उत्तर और व्याख्या**
>
> **उत्तर: (a)**
>
> तायोंग अरुणाचल प्रदेश में अपर सियांग बहुउद्देश्यीय परियोजना के विरोध-आंदोलन के कार्यकर्ता हैं; 7 नवंबर 2026 को चार कार्यकर्ता रिहा हुए।

## मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न